संनाह गुर्जरा. प्रेमाका. वसंफा. वसंवि. वसंवि(ब्रा). बख्तर (सं.) संनिवेस षडाबा. घर (सं.संनिवेश) **संनेह** आरारा. स्नेह संपड आरारा. संप्रति, हालमां, अत्यारे संपड आरारा. प्राप्ति थाय (सं.संपद्यते) संप**इ** *आरारा.* संपत्ति (सं.संपद्); वसंफा. वसंफा(ल). वसंवि(ब्रा). संपत्ति, शोभा; जुओ वनसंपइ संपचूड गुर्जरा. सर्पचूड नामनुं शस्त्र संपजइ उक्तिर. सांपडे, प्राप्त थाय (सं. संपद्यते); आनंस्त. *जिनरा. षडाबा. सांपडे, नीपजे, सिद्ध थाय; कृष्णच. छे: थाय संपड- प्राचीसं. सांपडवुं [सं.संपत्] संपडावीए प्रेमाका. प्राप्त करीए 🕐 संपत्तउ (=संपत्तउ) प्रद्युच् आवी पहोंच्यो (सं.संप्राप्त) *संपत-प्रभु (सपत्नप्रभु) *प्रेमाका. [वैरीओ पर प्रभुत्व मेळवनार] [सं.] संपत्त आरारा. संप्राप्त, पहोंच्यो संपत्तउ जुओ संपतउ **संपन्त** *ऐतिका*. पहोंच्या **संपनउ** *आरारा*. मळ्युं, प्राप्त थयुं (सं.संपन्न) **संपन्नउ** *उक्तिर. गूर्जरा*. सञ्ज संपय ऐतिका. संप्रति, [हालमां] संपाडी कादं(ध्र). मेळवी [सं.संपात्] संपादवं प्रेमाका. स्वीकारवं [सं.संपाद] **संपटि** *आरारा*. माटीनां कोडियांनी जोड पग मूकी भांगी नाखवानी विधि

संप्रत प्राचीफा. उपस्थित. आवी पहोंच्यो (सं.संप्राप्त) संपुत्री तेरका. भरेली (सं.संपूर्ण+इका) संपुष्ट दशस्कं(१). दशस्कं(२). संपुट संपूरिय गुर्जरा. भरेली (सं.संपूरिता) संपेखि ० जिनरा. जोईने [सं.सं.+प्रेक्ष] **संप्रदा** अखाका. संप्रदाय संप्रेडिउ आरारा. ललिरा. विक्ररा. वळाव्युं, मोकल्युं संफोडतउ उपवा. वेडफतो, नष्ट करतो (सं. स्फोट) [सं.सं+स्फोट्] **संबर** गूर्जरा. साबर (सं.शंबर) संबल, संबलउ आरारा. ऐतिरा. विमप्र. वीसरा. भातुं (रा.) [सं.शंबल] **संबंध** *आरारा. नलरा. हम्मीप्र.* कथाप्रकरण. वृत्तान्त (सं.) **संबंधिउ** *षडाबा*. संबंधी, स्नेही; -ने लगतुं **संबंधिवउ** *षडाबा*. जोडवूं संबाहइ आरारा. उक्तिर. निभावे, संभाळे (सं.संवाहयति) **संबि** विमप्र. श्यामिका, काळाश संभम प्राचीफा. [-थी जन्मेल], संतति (सं. संभव) संभराणीव्रत गुर्जरा. *एक प्रकारनुं व्रत संभरिउ गुर्जरा. सांभर्युं (सं.संस्मरति) संभलइ गुर्जरा. तेरका. प्राचीसं. सांभळे (सं.सम्+भल्) संभव तेरका. जन्म (सं.) संभवइ *प्रेमाका. षडाबा. थई शके, होई

शके, थाय, होय [सं.संभवति]